सं.डीएसआईआर/एमएस/2020/01

भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग

मंत्रिमंडल हेतु मासिक सारांश

(जनवरी, 2020)

(भाग-I अवर्गीकृत)

मंत्रालय/विभाग: वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर)

जनवरी, 2020 के दौरान मुख्य उपलब्धियां:

1. वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)

सीएसआईआर-आईआईपी द्वारा विकसित बायो-जेट ईंधन प्रौद्योगिकी से जुड़े मुख्य विकास में स्वदेशी बायो जेट ईंधन से पहली बार लेह में भारतीय वायु सेना के एएन-32 टांस्पोर्ट ने लैंड किया । कठोर उड़ान परिस्थितियों में बायोजेट ईंधन के निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए सफल परीक्षण उड़ान की अनुमति दी गई । भारतीय वायुसेना का लक्ष्य वर्ष 2024 तक ईंधन लागत में लगभग 4 बिलियन तक कटौती करना है । बायोईंधन ब्लेंड से चालित परिवहन विमान की लगभग 3,524 मीटर की ऊंचाई पर सफल लैंडिंग से सेना अन्य विमानों में भी धीरे-धीरे इस ईंधन का इस्तेमाल करेगी ।

इस माह के अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम में, **भारत के माननीय उपराष्ट्रपति** ने सीएसआईआर-सीसीएमबी का दौरा किया और भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान के सहयोग से विकसित जीवाण्विक शीर्ण प्रतिरोधी उन्नत सांबा महसूरी किस्म जैसे सीसीएमबी के कुछ अनुसंधान परिणामों से वे प्रभावित हुए ।

सामाजिक क्षेत्र

- मणिपुर के मुख्यमंत्री ने इम्फाल में **'सीएसआईआर कनेक्ट नॉर्थ ईस्ट'** के तहत आयोजित प्रदर्शनी का दौरा किया जिसमें सीएसआईआर की प्रयोगशालाओं की खाद्य प्रसंस्करण एवं विभिन्न अन्य प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया गया था । उन्होंने राज्य के उद्यमियों को सहायता प्रदान करने के लिए सीएसआईआर का धन्यवाद दिया और उन्होंने राज्य की मोईरंग फोऊ, फोउडोम्बा जैसी धान की परंपरागत किस्मों को संरक्षित एवं सुरक्षित रखने के लिए सहायता प्रदान करने हेतु अनुरोध किया ।
- **सीएसआईआर-आईएचबीटी** की टीम द्वारा डीआरडीए, चैम्फाई के सहयोग से मिज़ोरम के चैम्फाई में सेब की कम ठंड वाली किस्मों की उन्नत खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया ।

- **सीएसआईआर-आईएचबीटी** ने कांगड़ा में चंबी टी एस्टेट में चाय कार्यशाला आयोजित की ताकि चाय की उत्पादकता, गुणवत्ता एवं लाभ में सुधार लाने की विभिन्न अवधारणाओं पर चाय उगाने वाले लघु किसानों को जानकारी दी जा सके ।
- **सीएसआईआर-सीआईएमएपी** ने अपना 16वां किसान मेला आयोजित किया, जिसमें 23 राज्यों के 5000 से अधिक किसानों ने भाग लिया तथा उच्च पैदावार वाली 500 क्विंटल पुदीना किस्म वितरित की गई, जो 1250 एकड़ क्षेत्र में उगाई जाएगी और इससे लगभग 25 टन सगंधीय तेल का उत्पादन होगा ।
- लिपस्टिक्स में इस्तेमाल किए जाने वाले सिंथेटिक रंगों के सुरक्षित अविषाक्त और पर्यावरण अनुकूल प्रतिस्थापक उपलब्ध कराने के लिए सीएसआईआर के वैज्ञानिकों ने सब्जियों एवं पौधों के स्रोतों में प्राकृतिक रूप से होने वाले रंगों से प्राकृतिक रंगों एवं रंजकों का निष्कर्षण किया है । प्राकृतिक रंगों को प्राकृतिक विधियों द्वारा स्थिर किया गया और इनका उपयोग हर्बल लिपस्टिक तैयार करने के लिए किया गया ।
- सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तरी गोवा, हवाई अड्डे मोपा में हरित क्षेत्र हवाई अड्डे के निर्माण हेतु अपनी सहमति दे दी है और **सीएसआईआर-एनईईआरआई** को इस परियोजना की देखरेख करने के लिए कहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पर्यावरण को कोई क्षति नहीं हुई है ।
- **सीएसआईआर-सीएमईआरआई** की वाटर टेस्टिंग लेब को अब पश्चिम बंगाल पीसीबी की मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला के रूप में नामोदिष्ट किया गया है । इस प्रयोगशाला में भौतिक रसायन एवं बैक्टीरियोलॉजिकल मानदंडों की जांच करने और मलेरिया परजीवी में जल परिवर्तनों की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने की सुविधा है ।
- **सीएसआईआर-सीबीआरआई** ने आग से क्षतिग्रस्त गोर्टोन कैसल बिल्डिंग (1904 में ब्रिटिश काल में निर्मित सिविल सचिवालय), शिमला के संरक्षण/पुन:संयोजन हेतु सीपीडब्ल्यूडी शिमला को तकनीकी सहायता देना जारी रखा ।
- अत्यधिक ठंड सह सकने वाली पुष्प प्रजातियों का विकास करने के प्रयास में **सीएसआईआर-एनबीआरआई** के वैज्ञानिकों ने क्रिसैंथेमम की नई किस्म विकसित और जारी की है जो दिसम्बर के अंत से फरवरी के मध्य तक खिली रहती हैं ।

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और उद्योग

पेटेंट अपडेट

फाइल किए गए पेटेन्ट		स्वीकृत पेटेन्ट		पेटेन्ट अभियोजन	
भारत	विदेश	भारत	विदेश	भारत	विदेश
10	13	28	05	33	27

- **सीएसआईआर-एनआईईएसटी**, जोरहाट ने "केले के फाइबर के उत्पादन" संबंधी प्रौद्योगिकी मेसर्स जे सी लैंग एंटरप्राइजेज, इम्फाल, मणिपुर को हस्तांतरित की ।

- **सीएसआईआर-सीएसआईओ,** चंडीगढ़ ने मेसर्स ओशिएनिक फिटनेस प्राइवेट लिमिटेड, मोहाली को डायनेमिक पोस्ट्रल असेसमेंट स्टेबिलिटी सिस्टम (डीपीएएसएस) हस्तांतरित किया ।
- **सीएसआईआर-सीएसआईओ** ने "3डी प्रिंटिड पेशेंट-स्पेसिफिक मेडिकल इम्लांट्स" की तकनीकी जानकारी उद्योग को हस्तांतरित की है । पेशेंट-स्पेसिफिक इम्प्लांट (पीएसआई) की आवश्यकता तब पड़ती है जब साइट हेतु मौजूदा वाणिज्यिक रूप से उपलब्ध इम्प्लांट या तो उपलब्ध नहीं होता या शरीर रचना सम्बन्धी आवश्यकता को पूरा नहीं करता ।
- **सीएसआईआर-सीएसआईओ** द्वारा विकसित इलेक्ट्रोस्टैटिक डस्ट मिटिगेशन एंड स्मॉग कंट्रोल डिवाइस हरियाणा स्थित एंटरप्राइजिज क्लाउड टेक प्रा. लि. को हस्तांतरित किया गया । यह प्रौद्योगिकी जिसमें चार्ज्ड स्प्रे ड्रॉप्लेट्स का सृजन करने के लिए इलेक्ट्रोस्टैटिक फील्ड का उपयोग किया जाता है जिसमें विपरीत रूप से चार्ज्ड धूल एवं धुआं के कण सम्मिलित होते हैं और जो जमीन पर अत्यधिक सरलता से बैठ जाते हैं और वायु प्रदूषण को प्रभावी रूप से समाप्त कर देते हैं ।
- दो करारों पर हस्ताक्षर किए गए थे पहला करार, कैनेबिस आधारित आयुष सूत्रणों हेतु मेसर्स हेम्पस्ट्रीट प्रा.लि. दिल्ली के साथ था एवं दूसरा करार अनुसंधान क्रियाकलापों हेतु **सीएसआईआर-एनबीआरआई** को 1000 कपास जीनोटाइप का हस्तांतरण करने के लिए मेसर्स टीएरा एग्रोटेक प्रा.लि. हैदराबाद के साथ था ।
- **सीएसआईआर-आईआईआईएम** ने शक्तिशाली सीडीके संदमक आईआईआईएम-290 का स्थानीय रूप से एडवांस्ड अथवा मेटास्टैटिक पैनक्रियटिक कैंसर के रोगियों में इसके कैप्सूल सूत्रण के चिकित्सीय के परीक्षण चरण-I/चरण-II करने के लिए डीसीजीआई को आईएनडी आवेदन फाइल किया है ।
- महानिदेशक, सीएसआईआर ने **सीएसआईआर-एनसीएल** में सिल्बर नैनोवायर्स के सतत प्रवाह उत्पादन के लिए प्रायोगिक संयंत्र का उद्घाटन किया । सीएसआईआर-एनसीएल ने सिल्वर नैनोवायर्स के सतत प्रवाह उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी विकसित की है जिसका उपयोग भविष्य में नैनो-इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए किया जा सकता है । इस प्रौद्योगिकी से कम खर्च वाले सिल्वर नैनोवायर्स का उत्पादन किया जा सकता है जिसका भारत आयत करता रहा है और यह बड़े पैमाने पर बहुमूल्य सामग्री का उत्पादन करने में भी सहायता देगी ।
- **सीएसआईआर-नीरी**, नागपुर और एसएमएस एन्वोकेयर लि. ने भारत में विभिन्न औद्योगिक समूहों में अपशिष्ट जल प्रबन्धन में सुधार लाने के लिए हाई रेट ट्रांस्पीरेशन सिस्टम (एचआरटीएस) हेतु प्रौद्योगिकी हस्तांतरण करार पर हस्ताक्षर किए ।

समझौता ज्ञापन (एमओयू)

- **सीएसआईआर-एनपीएल** ने बीएनडी(भारतीय निर्देशक द्रव्य, इंडियन रेफरेंस मैटिरियल्स) के उत्पादन के लिए मेसर्स सम्स टेक्नो लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, होसापेट के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं ।
- भारत में 10-15 प्रतिशत औसत की तुलना में आन्ध्र प्रदेश के उड्डानम क्षेत्र में अज्ञात इटोयोलॉजी (CKDu) मामलों के गुर्दे के दीर्घकालीन रोग की 30-45% की अधिक व्यापकता के

कारण का पता लगाने के लिए संयुक्त रूप से कार्य करने हेतु **सीएसआईआर-आईआईटीआर** और ग्रेट इस्टर्न मेडिकल स्कूल एंड हॉस्पिटल ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए ।

- **सीएसआईआर-आईआईटीआर** ने उत्तर प्रदेश के यमुना मैदान, केन्द्रीय गंगा मैदान और राम गंगा मैदान के तहत पाइजोमीटर्स मॉनीटरिंग वैल्स से एकत्र नमूनों के माध्यम से भूजल गुणवत्ता मानदंडों, जांच एवं विश्लेषण हेतु सेवाओं
  के प्रापण के लिए भूजल विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए ।
- **सीएसआईआर-आईएमएमटी**, भुवनेश्वर और एम्स भुवनेश्वर ने बायोमैटिरियल रिसर्च पर सहयोग कार्य करने के लिए करार पर हस्ताक्षर किए हैं ।
- **सीएसआईआर-सीमैप**, लखनऊ ने अपशिष्ट फूलों से अगरबत्तियां बनाने के लिए श्रीमाता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं ।

कार्यशाला/कौशल विकासः

- **सीएसआईआर-एनबीआरआई** संस्थान ने बायोइन्फो, एमओआई बायोल एंड बायोटेक पर 2-दिवसीय कार्यशाला आयोजित की और इस कार्यशाला में विभिन्न विश्वलिद्यालयों के 48 छात्रों ने भाग लिया ।
- **सीएसआईआर-आईआईटीआर** ने इंजीनियरों एवं वैज्ञानिकों हेतु "स्टैटिस्टिक्स एंड सॉफ्टवेयर एप्लीकेशंस फॉर एयर एंड वाटर/क्वालिटी असेसमेंट" पर 2-दिवसीय कार्यशाला आयोजित की ।
- **सीएसआईआर-सीआईएमएफआर,** धनबाद और बीआईएस द्वारा " ठोस जैव ईंधनों संबंधी भारतीय मानकों हेतु आवश्यकता" पर राष्ट्रीय कार्यशाला संयुक्त रूप से आयोजित की गई ।
- **सीएसआईआर-नीरी** ने एमएसपीजीसीएल से मिलकर "टेक्नीकल फीजिबिलिटी ऑव फ्यूल गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी) एंड सिलेक्टिव कैटेलाइटिक रिडक्शन (एससीआर) इन इंडियन कोल बेस्ड थर्मल पावर प्लांट्स" पर एक-दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया । मुख्य एजेंडा ऊर्जा उत्पादन यथा अत्यधिक महत्वपूर्ण ऊर्जा उत्पादन हेतु अन्य प्रौद्योगिकियों सहित एफजीडी, एससीआर, एसएनसीआर हेतु विचारोत्तेजक तथा इसके नीतिगत निहितार्थ, लागत, लाभ और भावी कदम था ।
- **सीएसआईआर-सीआईएमएफआर** धनबाद एवं एमजीएमआई कोलकाता द्वारा वैश्विक पर्यावरण एवं ऊर्जा प्रणालियों से ग्रीनहाऊस गैसें–आकलन एवं प्रशमन (जीईएम-2020) पर छह दिवसीय अल्पावधि पाठ्यक्रम एवं कार्यशाला आयोजित की गई है ।
- **सीएसआईआर-सीएसएमसीआरआई** भावनगर ने कक्षा 6-10 के छात्रों के लिए "जल प्रदर्शनी" आयोजित की ।
- **सीएसआईआर-आईएमएमटी** में विभिन्न राज्यों और ओडिशा के केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के एम. एससी. एवं पीएच.डी छात्रों के लिए हाल में पर्यावरण, जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला पर 4-दिवसीय थ्योरी एवम हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

- **सीएसआईआर-एसईआरसी** ने पावर ट्रांसमिशन एवं कम्यूनिकेशन स्ट्रक्चर्स (पीटीकोम एस-2020) पर एडवांस्ड कोर्स आयोजित किया । एसईआरसी ने कंप्यूटर–ऐडेड एनानिसिस एंड डिजाइन ऑव स्ट्रक्चर्स (सीएएडीएस-2020) पर सर्टिफिकेट कोर्स आयोजित किया ।
- **सीएसआईआर-सीएमईआरआई,** दुर्गापुर में एनर्जी स्टोरेज टेक्नोलॉजी सिस्टम्स एंड मैटिरियल्स पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई । इसका फोकस डीआरडीओ परियोजना के तहत लागत प्रभावी –ग्रेफीन आधारित सुपरकैपैसिटर का विकास करने के लिए की गई पहल पर था।
- **सीएसआईआर-सीएफटीआरआई ने अ.जा./अ.ज.जा. समुदायों के उद्यमियों हेतु खाद्य प्रसंस्करण पर क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए ।** सीएफटीआरआई ने एनएसएसएच, राष्ट्रीय अ.जा.-अ.ज.जा.हब (एनएसएसएच) के सहयोग से न सिर्फ मौजूदा उद्यमियों के लिए बल्कि अ.जा.-अ.ज.जा. समुदायों के प्रेरकों के लिए खाद्य प्रसंस्करण पर क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की मेजबानी का डिजाइन तैयार किया है । मूल्य संवर्धन हेतु फल एवं सब्जी प्रौद्योगिकियों पर प्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा "मसाला प्रसंस्करण: व्यापार अवसर एवं भावी प्रत्याशाएं" पर दूसरा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
- **सीएसआईआर-सीसीएमबी** ने शहर में पोस्चर यूनिट/सेंटर स्थापित करने की संभावना का पता लगाने के लिए **पोस्चर इंस्टिट्यूट** के प्रतिनिधियों सहित सीएसआईआर एवं हैदराबाद के अन्य लाइफ सांइटिस्टों की कार्यशाला आयोजित की । यह परस्पर हितों को एक साथ लाने के लिए वैश्विक विज्ञान में संभावित प्रगति है ।
- **सीएसआईआर-सीबीआरआई,** रुड़की द्वारा उत्तराखंड के 35 इंजीनियरों हेतु मल्टी-हजार्ड़ रेसिस्टैंट हाउसिंग एंड हैबिटेट पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया ।
- **सीएसआईआर और सीआईआई** इंडस्ट्रीज़ सीएसआईआर संस्थानों द्वारा विकसित जल प्रौद्योगिकियों एवं अनुप्रयोगों हेतु भारत इंडस्ट्रीज मीट आयोजित किया गया ।
- **सीएसआईआर-सीएमईआरआई:** जल गुणवत्ता मूल्यांकन संबंधी दो दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आज प्रांरभ किया गया ।
- **सीएसआईआर-सीसीएमबी,** हैदराबाद ने विशिष्ट स्वास्थ सुरक्षा उपलब्ध कराने हेतु जीनोम पर कार्यशाला आयोजित की ।
- **सीएसआईआर-आईएमटीईसीएच,** चंडीगढ़ ने किण्वन प्रक्रम विकास के फंडामेंटल्स पर पांच दिवसीय कार्यशाला आयोजित की ।
- **सीएसआईआर-नीरी** - एमजेडसी ने मुम्बई फ्रस्ट के साथ "एमएमआर में चैम्पियनिंग स्मार्ट एंड सस्टेनेबल सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट" राउंडटेबल सम्मेलन आयोजित किया । इस सम्मेलन का उद्देश्य एसडब्ल्यूएम से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करना एवं प्रौद्योगिकियों के माध्यम से संभावित समाधान एवं वर्तमान नीतियों में परिवर्तन का पता लगाना है ।

साइंस आउटरीच कार्यक्रम

- जिज्ञासा कार्यक्रम के तहत 2 अध्यापकों के साथ-साथ राजकीय सीनियर सैकेन्डरी विद्यालय खेड़ा कांगड़ा, (हि.प्र.) के 56 छात्रों ने **सीएसआईआर–आईएचबीटी** का दौरा किया। इन्होंने संस्थान के वैज्ञानिकों, रिसर्च स्कॉलर्स के साथ चर्चा की ।
- **सीएसआईआर-सीईआरसी** द्वारा केन्द्रीय विद्यालय और अमृथा विद्यालय, कारवाड में जिज्ञासा आयोजित किया गया ।
- तेलंगाना राज्य के मॉडल स्कूल पालमकूला के 10वीं, 11वीं एवं 12वीं के छात्रों ने जिज्ञासा कार्यक्रम के तहत **सीएसआईआर-आईआईसीटी** का दौरा किया ।
- बलिया उ.प्र. में स्वदेशी मेला-2020 में सीएसआईआर की प्रयोगशालाओं ने भाग लिया तथा अपने उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया । बड़े पैमाने पर छात्रों एवं आम जनता ने इसमें भाग लिया ।
- गणपत सहाय पी.जी. कॉलेज, सुल्तानपुर (डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी फैजाबाद) के 2 संकाय सदस्यों सहित एम.एससी. बॉटनी के 18 छात्रों के समूह ने **सीएसआईआर-आईएचबीटी** पालमपुर (हि.प्र.) की विभिन्न प्रयोगशालाओं एवं अत्याधुनिक सुविधाओं का दौरा किया ।
- **सीएसआईआर-नीरी** और सीसीआई, नागपुर ने जलवायु परिवर्तन चुनौती 2020 का आयोजन किया । इस कार्यक्रम ने 170 कॉलेज छात्रों को एक स्थान पर एकत्र किया । जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभावों से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की ।
- **सीएसआईआर-एनआईएससीएआईआर** ने साइंस फिल्म फेस्टिवल ऑव इंडिया, एससीआई-एफएफआई 2020 के 5वें संस्करण के आयोजन में भागीदारी की, जिसका उद्घाटन गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने द्वारा किया गया ।
- **सीएसआईआर-एनआईएससीएआईआर** द्वारा विश्व पुस्तक मेले के दौरान विज्ञान कार्टून कार्यशाला एवं प्रतिस्पर्धा आयोजित की गई जहाँ वे कार्टूनों के माध्यम से वैज्ञानिक विचारों के आदान-प्रदान के टिप देने में रत थे ।

पुरस्कार

- डॉ. राकेश कुमार, निदेशक, **सीएसआईआर-नीरी** को i DAC एक्सपो मुम्बई, 2020 द्वारा ग्रीन एक्सीलेंस एवार्ड फॉर इंवायरन्मेंट प्रोटेक्शन प्राप्त हुआ ।
- सीएसआईआर को **इंडियन साइंस कांग्रेस 2020** के प्राइड ऑव इंडिया एक्स्पो में **एक्जीबिटर ऑव द ईयर** घोषित किया गया जिसे कर्नाटक के माननीय मुख्यमंत्री की उपस्थिति में माननीय उपराष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया गया ।
- कुल छह पुरस्कारों में से सीएसआईआर-आईजीआईबी सीएसआईआर-एनसीएल एवं सीएसआईआर-आईआईसीबी के तीन वैज्ञानिकों ने **मर्क यंग साइंटिस्ट अवार्ड** प्राप्त किया जो लाइफ सांइसिस में कुछ कठोर समस्याओं को सुलझाने की विशेषज्ञता वाले दस वर्ष से कम का अनुभव रखने वाले शोधार्थियों को दिया जाता है ।
- **महानिदेशक, सीएसआईआर** डॉ. शेखर सी.मांडे को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके योगदान हेतु **एच के फिरोडिया विज्ञान भूषण पुरस्कार** के लिए चुना गया ।

विभागीय गतिविधियां

डीएसआईआर को प्रौद्योगिकी प्रोत्साहन, विकास तथा समुपयोजन के साथ-साथ औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने का दायित्व सौंपा गया है। देश में अनुसंधान तथा विकास के पोषण तथा संवर्धन की दृष्टि से, विभाग का औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास प्रोत्साहन कार्यक्रम लाभ अर्जित करने वाले वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान संगठनों (एसआईआरओएस) तथा सरकारी वित्त पोषित अनुसंधान संस्थानों (पीएफआरआईएस) को छोड़कर, संबंधित सरकारी अधिसूचनाओं (जिन्हें समय-समय पर संशोधित किया जाता है) के अंतर्गत उद्योगों की संस्थागत अनुसंधान एवं विकास इकाइयों को मान्यता प्रदान करता है एवं उनका पंजीकरण करता है जिसके आधार पर इन संगठनों को उद्योग द्वारा अनुसंधान एवं विकास पर सीमा-शुल्क छूट, सामग्री एवं सेवा कर (जीएसटी) रियायत तथा आयकर अधिनियम की धारा 35(2एबी) के अंतर्गत भारित कर कटौती प्राप्त होती है। यह योजना देश में औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने में सहायता प्रदान करती हैं।

औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास संवर्धन कार्यक्रम
उद्योग में संस्थागत अनुसंधान एवं विकास की मान्यता/पंजीकरण तथा नवीकरण

- उद्योगों की 16 संस्थागत अनुसंधान एवं विकास इकाईयों को मान्यता प्रदान करने के साथ-साथ पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।
- उद्योगों की 14 संस्थागत अनुसंधान एवं विकास इकाईयों को मान्यता का नवीकरण प्रदान करने के साथ-साथ पंजीकरण प्रमाण-पत्रों का नवीकरण प्रदान किए गए।

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान संगठन (एसआईआरओ)
एसआईआरओज की मान्यता/पंजीकरण तथा नवीकरण

- 04 एसआईआरओज को मान्यता प्रदान की गई और 03 को पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

सरकारी निधिप्राप्त अनुसंधान संस्थान (पीएफ़आरआई)
पीएफ़आरआई का पंजीकरण तथा नवीकरण

- 01 पीएफ़आरआई को पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम

सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सीईएल)

सीईएल डीएसआईआर का उपक्रम है जिसका उद्देश्य देश में राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं तथा अनुसंधान एवं विकास संस्थानों द्वारा विकसित स्वदेशी प्रौद्योगिकियों का व्यावसायिक रूप से समुपयोजन करना है। इसने अपने स्वयं के आर एंड डी प्रयासों से देश में पहली बार अनेक उत्पादों का विकास किया है और यह रेलवे एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण/घटकों एवं अन्यों हेतु सोलर फोटोवोल्टैक सिस्टम्स, इलेक्ट्रॉनिक्स गजट्स के क्षेत्र में अपनी अग्रणी भूमिका पर सतत बल देता रहा है।

- कंपनी ने जनवरी, 2020 के दौरान 2663.78 लाख रूपए मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट्स/सिस्टम्स/एसपीवी उत्पादों का विनिर्माण किया।
- जनवरी, 2020 के दौरान 3546.73 लाख रुपए मूल्य का माल बेचा गया।
- जनवरी, 2020 के दौरान प्रमुख उपलब्धि पीसीएम निर्यात आदेश को सफलतापूर्वक पूरा करना रहा है।

राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम (एनआरडीसी)

एनआरडीसी अनुसंधान एवं विकास संस्थानों के साथ ही विश्वविद्यालयों, तकनीकी संगठनों, उद्योगों तथा व्यक्तिक आविष्कारों के साथ दीर्घावधि संबंधों को पोषित करते हुए प्रौद्योगिकी संसाधन आधार को व्यापक और सुदृढ करने पर ज़ोर देता आ रहा है।

- एनआरडीसी को सीटीआरटीआई, रांची, झारखंड द्वारा 02 (दो) प्रौद्योगिकियाँ सौंपी गई।
- एनआरडीसी ने मैसर्स एनएएस इंडस्ट्रीज़ को एक प्रौद्योगिकी का लाइसेन्स दिया। माह के दौरान प्रौद्योगिकी के लाइसेन्स से 33.08 लाख रुपए की रॉयल्टी तथा 15.00 लाख रुपए का प्रीमियम प्राप्त हुआ।

***